भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3602

11.08.2025 को उत्तर के लिए

मैंग्रोव वन लगाना

3602. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु, विशेषकर कुड्डालोर जिले में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में कितने एकड़ में वन क्षेत्र है;

(ग) क्या सरकार ने कुड्डालोर निर्वाचन क्षेत्र के तटीय गाँवों में मैंग्रोव वन लगाने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) तमिलनाडु में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अन्य औद्योगिक घरानों द्वारा पौधरोपण जैसे वनीकरण अभियान का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कुड्डालोर जिले में पिछले तीन वर्षों के दौरान वन में परिवर्तित भूमि के आंकड़े क्या हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग): मंत्रालय, तमिलनाडु सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से वनीकरण और पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापन कार्यकलापों का समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा वित्त पोषित कई योजनाएँ हैं जो विशेष रूप से वनीकरण और पारिस्थितिकी -पुनर्स्थापन प्रयासों का समर्थन करती हैं। तमिलनाडु राज्य से प्राप्त सुझावों के आधार पर, तमिलनाडु सरकार ने 2021-22 में हरित तमिलनाडु मिशन शुरू किया, जिसका उद्देश्य राज्य के भौगोलिक क्षेत्र के वृक्षों और वनावरण को 10 वर्षों के भीतर 23.71% से बढ़ाकर 33% करना है। यह मिशन जैव विविधता, वन उत्पादकता, कृषि भूमि पर वृक्षों, शहरी और अर्ध-शहरी हरियाली, हरित रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने पर केंद्रित है। पिछले तीन वर्षों (2022-23 से 2024-25) में, तमिलनाडु वन विभाग, अन्य सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों और जनता द्वारा राज्य भर में 10.86 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। कुड्डालोर जिले में, विभिन्न हितधारकों की भागीदारी से लगभग 54.25 लाख पौधे लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, कुड्डालोर में निम्नलिखित वृक्षारोपण कार्यकलाप भी किए गए हैं। 2022-23 में, नाबार्ड योजना के तहत किल्लई और पिचावरम आरक्षित वनों में 20 हेक्टेयर मैंग्रोव वृक्षारोपण किया गया। 2023-24 के दौरान, हरित तमिलनाडु मिशन (जीटीएम) बायो-शील्ड पहल के तहत किल्लई आरक्षित वन में 100 हेक्टेयर क्षरित मैंग्रोव क्षेत्र को पुनर्स्थापित किया गया। उसी वर्ष, हरित तमिलनाडु मिशन (जीटीएम) बायो-शील्ड के तहत कुडिकाडु और किल्लई आरक्षित वनों में सीधी पंक्तियों में 42,000 एक्सोकेरिया अगलोचा (थिल्लई) के पौधे लगाए गए। इसके अलावा, 2024-25 में, जीटीएम बायो-शील्ड कार्यक्रम के तहत कोडियम्बलयम और मेलाथिट्टू में 100 हेक्टेयर क्षरित तटीय क्षेत्र को पुनर्स्थापित किया गया।

तमिलनाडु वन विभाग ने सामुदायिक भागीदारी से बड़े पैमाने पर मैंग्रोव पुनर्स्थापन का कार्य किया है। 2022-23 से 2024-25 तक, नाबार्ड, जीटीएम और एनएचएआई योजनाओं के तहत परिवर्तित फिश-बोन डिज़ाइन का उपयोग करके 95 हेक्टेयर क्षेत्र में नए मैंग्रोव लगाए गए। इसके अतिरिक्त, जीटीएम और केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के तहत 250 हेक्टेयर क्षरित मैंग्रोव वनों को पुनर्स्थापित किया गया और रैखिक विधियों का उपयोग करके 52,000 मैंग्रोव पौधे लगाए गए।

सरकार ने ग्राम मैंग्रोव परिषदों (वीएमसी) के माध्यम से 160 हेक्टेयर क्षरित मैंग्रोव को पुनर्स्थापित करने के लिए विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित तमिलनाडु-तट/तमिलनाडु तटीय पुनर्स्थापन मिशन शुरू किया है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ₹4.00 करोड़ की एक परियोजना (2025-26 से 2027-28) का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका शीर्षक है "कुड्डालोर जिले में समुद्र तल वृद्धि और तटीय कटाव के प्रभाव को रोकने के लिए जैव-शील्ड का निर्माण", जिसमें 60 हेक्टेयर में मैंग्रोव वृक्षारोपण और 20 हेक्टेयर में तटीय जैव-शील्ड में लचीली प्रजातियों का उपयोग शामिल है।

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा प्रकाशित भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर), 2023 के अनुसार, कुड्डालोर जिले में 385.48 वर्ग किमी वन क्षेत्र (लगभग 95,254.2 एकड़ के बराबर) है।

(घ) और (ङ): 2022-23 से 2024-25 के दौरान गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्टों और निजी संस्थानों द्वारा लगभग 1.19 करोड़ पौधे लगाए गए। विश्व वानिकी दिवस, विश्व मैंग्रोव दिवस, एक पेड़ माँ के नाम, जीटीएम दिवस, हार्बर दिवस और इसी तरह के अन्य अवसरों पर बड़े अभियान चलाए गए। पिछले तीन वर्षों में कुड्डालोर में किसी भी भूमि को वन भूमि में परिवर्तित नहीं किया गया।

*****